Report on Essay submission

Two members of EBSB club, M.A College submitted essays on 28-3-2020 by E-mail. The title selected for the essay was `Culture of Himachal Pradesh' in English. `हिमाचल प्रदेश की एक झलक' was selected as topic in Hindi. Students were given permission to write essays both in Hindi and English.

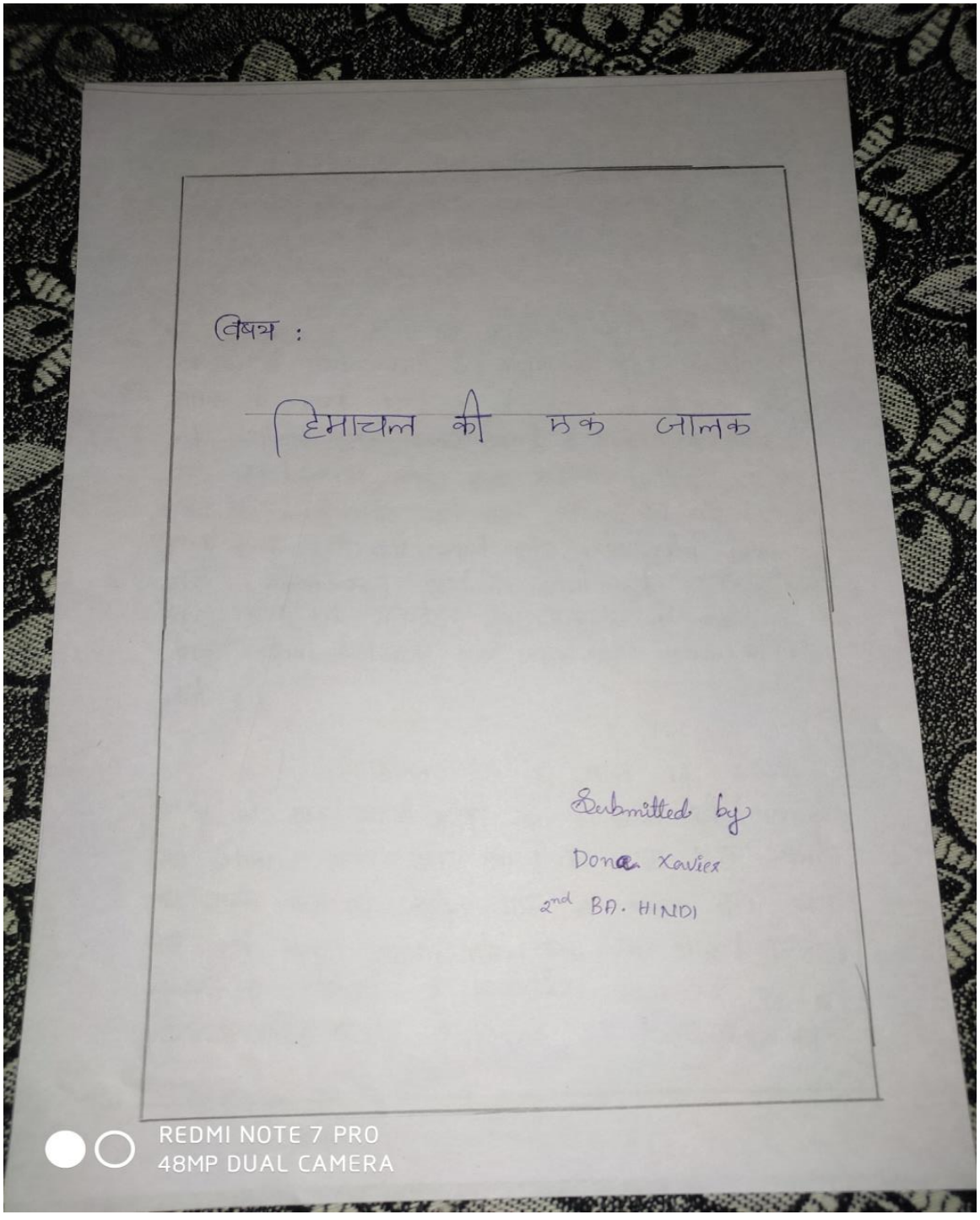

1948 में जब हिमाचल का जन्म हुआ। तब यह अत्यन्त पिछड़ा राज्य था। राज्य के नेताओं ने तभी इसके विकास के लिए कार्यवाई शुरू कर दी। सड़कों, यातायात व संचार साधनों का विकास किया, शिक्षा का प्रसार किया, नए उद्योग स्थापित किए, कृषि सुधार पर बल दिया। फलतः आज राज्य उन्नत हो गया। इस राज्य में सड़कें नाममात्र की थी अब हजारों किलोमीटर गया है। गाँव-गाँव को परिवहन सेवा से जोड़ा जा रहा है।

मुख्यतया यहां हिन्दी बोली जाती है। पहाड़ी प्रदेश होने से गाँव छोटे-छोटे होते हैं और दूर-दूर बसे होते हैं। यहाँ के घर पत्थर और स्लेट से बने होते हैं लेकिन मैदानी क्षेत्रों में तो शहरों का जैसी स्थिति ही है। यहाँ के लोगों को कठोर परिश्रम करना पड़ता है। कृषि, पशु-पालन मुख्य धन्धे हैं। यहाँ की स्त्रियों का जीवन कठिन होता है। पहाड़ों में बसे गाँव में पानी के लिए, लकड़ी के लिए, घास आदि के लिए दूर जाना पड़ता है। ढलानदार और सीढ़ीनुमा खेतों में मक्की जौं, चना, मटर, दालें, आलू, काफरा, सरसों की खेती होती हैं। गेहूँ और धान की खेती भी की जाती है। फलों में सेब, सन्तरे, माल्टे प्रमुख फल हैं।

REDMI NOTE 7 PRO
48MP DUAL CAMERA

पूर्ण राज्यत्व दिलाने के लिए वर्षों तक शांतिपूर्ण संघर्ष किया और अन्त में सफल हुए।

भारतीय गणतन्त्र का अठारहवां राज्य हिमाचल प्रदेश पहाड़ी लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतीक है। यहां के लोगों के वर्षों के अनवरत संघर्ष के फलस्वरूप वर्तमान रूप में इस राज्य का अभ्युदय 25 जनवरी, 1971 को हुआ जब प्रधानमन्त्री स्वर्गीय श्रीमती इन्दिरा गांधी ने विधिवत एक समारोह में इसका उद्घाटन किया।

हिमाचल की मनोहर पर्वत शृंखलाओं में सभी का मन अटकता है गोरी-बांकी सुन्दरियों का क्रीड़ा-स्थल यह प्रदेश, जिसके गुणों का गान कालिदास ने भी किया है, स्वर्ग से कम नहीं है। हवाओं के चलने से सूखे बांस जब बजते हैं तब सुन्दरियां इसके साथ स्वर मिलाती हैं और शिव की त्रिपुर विजय के उपलक्ष्य में झूम झूम कर नृत्य करती गाती हैं। यहाँ की शैल-मालाएँ, घाटियाँ, शीतल हवा, शीतल अमृत जैसा मृदु जल, सतलुज, व्यास और रावी नदियों की धारा छोटे छोटे झरने और बरसात में उफनते नाले, सीढ़ीदार खेत, पहाड़ों पर बसे गांव मनमोह लेते हैं।

वर्तमान हिमाचल आज अपने नए रूप में प्रवेश कर रहा है। आधुनिक सभ्यता और फैशन ने अपना बुरा जाल यहां नहीं फैलाया है। अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण अब भी यहाँ के जीवन में परम्परा बसी हुई है। धार्मिक तीर्थ स्थलों ने भी यहाँ समृद्धि लाने में सहायता की है। शिक्षा के विकास ने युवकों को नई दिशा दी है। औद्योगिक विकास के लिए कठिनाइयां होते हुए भी अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। प्रकृति की गोदी में बसे हिमाचल के रूप को आज निखारा जा रहा है जिसमें प्राचीन और नवीनता का सुखद संयोग है

REDMI NOTE 7 PRO
48MP DUAL CAMERA